संख्या- 126/2021/742/41-2021-17(बजट)/2017

प्रेषक,

गिरिजापति द्विवेदी
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ, दिनांक 16 फरवरी 2021**

विषय- पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा क्रियान्वित की जा रही भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत स्वीकृत प्रायोजनाओं हेतु सेन्टेज, जी0एस0टी0 एवं लेबरसेस की देयता का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किये जाने हेतु वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-6376,मिस0-118 दिनांक 25 फरवरी, 2020, पत्र सं0-6663, मिस0-118 दिनांक 04 मार्च, 2020 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ,जिसके माध्यम से भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत स्वीकृत प्रायोजनायें ,जिनका क्रियान्वयन पर्यटन विभाग उ0प्र0 द्वारा किया जा रहा है, के परिप्रेक्ष्य में निम्नांकित विवरणानुसार संबंधित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराये जा रहे कार्यों की लागत के सापेक्ष सेन्टेज जी0एस0टी0 एवं लेबरसेस के भुगतान हेतु कार्यदायी संस्थाओं से प्राप्त मांग के आधार पर धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है:-

(रू0 लाख में)

क्र0 सं0	कार्यदायी संस्था का नाम	योजना का नाम	सेन्टेज/ जी0एस0टी0/ लेबर सेस की माँग
1	2	3	4
1	उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कार्पोरेशन लि0	स्वदेश दर्शन योजना में रामायण सर्किट योजना के अन्तर्गत श्रृंगवेरपुर के पर्यटन विकास की योजना।	223.05
2	उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0	स्वदेश दर्शन योजना में रामायण सर्किट के अन्तर्गत चित्रकूट का पर्यटन विकास	391.51
3	उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0	स्वदेश दर्शन योजना में रामायण सर्किट योजना के अन्तर्गत अयोध्या के समेकित पर्यटन विकास की योजना	1096.76
4	उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0	स्वदेश दर्शन योजना में बुद्धिष्ट सर्किट योजना के अन्तर्गत कुशीनगर के पर्यटन विकास की योजना	71.68
5	उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0	स्वदेश दर्शन योजना में बुद्धिष्ट सर्किट योजना के अन्तर्गत कपिलवस्तु के पर्यटन विकास की योजना	422.36
6	उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0	स्वदेश दर्शन योजना में बुद्धिष्ट सर्किट योजना के अन्तर्गत श्रावस्ती के पर्यटन विकास की योजना	339.56
कुल योग			2544.92

2. अत: उपर्युक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा क्रियान्वित की जा रही भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत स्वीकृत प्रायोजनाओं हेतु सेन्टेज, जी0एस0टी0 एवं लेबरसेस की देयता के भुगतान हेतु प्रस्तर संख्या-1 में मांगी जा रही धनराशि रू0 2544.92 लाख (रूपये पच्चीस करोड़ चौवालीस लाख बानवे हजार मात्र) के सापेक्ष एतद्द्वारा रू0 2500.00 लाख (रूपये पच्चीस करोड़ मात्र) को सम्बन्धित कार्यदायी

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संस्थाओं को उपलब्ध कराये जाने हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(1) सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को जी0एस0टी0 एवं लेबरसेस की धनराशि का भुगतान वास्तविक रूप से जमा की गयी धनराशि की प्रामाणिक रूप से पुष्टि करने के पश्चात ही उपलब्ध करायी जायेगी तथा सम्बन्धित विभाग एवं शासन को इसका विवरण सक्षम स्तर से प्रमाणित करते हुए उपलब्ध कराया जायेगा।

(2) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि केन्द्रीय योजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के कार्यो के आगणन में लेबरसेस/ अन्य कर सम्मिलित नहीं है। यदि आगणन दिनांक 01 जुलाई 2017 के पूर्व गठित है तो जी0एस0टी0 का भुगतान करते समय वैट आदि के रूप में सम्मिलित धनराशि का समायोजन सुनिश्चित कर लिया जायेगा।

(3) उपर्युक्त स्वीकृत प्रायोजनाओं हेतु सेन्टेज, जी0एस0टी0 एवं लेबरसेस की देयता का भुगतान किये जाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि कार्यदायी संस्थाओं द्वारा स्वीकृत कार्यो का क्रियान्वयन भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है तथा कराये जा रहे कार्यों में निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों का पूर्ण अनुपालन किया जा रहा है।

3. उक्त प्रस्तर-1/2 में आपके निवर्तन पर व्यय हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि रू0 2500.00 लाख (रूपये पच्चीस करोड़ मात्र) का वहन चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के अनुदान संख्या-44 के लेखाशीर्ष-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-01-केन्द्र प्रायोजित योजनाएं-0107-स्वदेश दर्शन स्कीम के अन्तर्गत बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट तथा कृष्णा सर्किट (के.100/रा.0-के.)-24-वृहत निर्माण कार्य की मद में उपलब्ध धनराशि के नामे डाला जायेगा।

भवदीय

(गिरिजापति द्विवेदी)
उप सचिव ।

संख्या- 126/2021/742/41-2021-17(बजट)/2017 दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/ द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
3- सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
4- अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, वाणिज्य कर एवं मनोरंजन कर विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
5- आयुक्त/जिलाधिकारी सम्बन्धित मण्डल/जिला ।
6- निजी सचिव,प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, उ0प्र0 शासन।
7- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन , लखनऊ।
8- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
9- वित्त (व्यय) नियंत्रण अनुभाग-1/2।
10- वित्त (व्यय) नियंत्रण अनुभाग-7।
11- सम्बन्धित क्षेत्रीय अधिकारी, पर्यटन विभाग, उ0प्र0।
12- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग।
13- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(गिरिजापति द्विवेदी)
उप सचिव ।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या- /41-2020-17(बजट)/2017

प्रेषक,

शिव पाल सिंह,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ, दिनांक सितम्बर, 2020**

विषय-पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना एवं प्रासाद योजना के अन्तर्गत् कराये जा रहे पर्यटन विकास हेतु कार्यदायी संस्था को देय सेन्टेज,जी0एस0टी0 एवं लेबर सेस की धनराशि शासन स्तर से अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-6376,मिस0-118 दिनांक 25 फरवरी, 2020, पत्र सं0-6663, मिस0-118 दिनांक 04 मार्च, 2020 एवं 922/एस0डी0/आर0सी0-1/श्रंगवेरपुर (3)/13 दि0-30-6-2020 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रकरण में निर्णय हेतु भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना एवं प्रासाद योजना की गाइड लाइन उपलब्ध कराने का कष्ट करें । उक्त के अतिरिक्त भारत सरकार की इन योजनाओं में सेन्टेज , जी0एस0टी0 , लेबर सेस न दिये जाने के संबंध में यदि कोई शासनादेश/ पत्र उपलब्ध हो, तो उसे भी उपलब्ध कराया जाये।

भवदीय

(शिव पाल सिंह)
विशेष सचिव ।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in